R.M.M. Law College - Saharsa
Amrendra Kumar Trivedi
Part Time Teacher
Sub- International Law
Human Rights

प्राकृतिक विधि -

प्राकृतिक विधि मनुष्य के विवेक और तर्क पर आधारित विधि मानी जाती है जो मानव की आवश्यकता अनुसार उनके विवेक पर आधारित हुई जिसके फलस्वरूप प्राकृतिक विधि अन्तर्राष्ट्रीय विधि को आधुनिक प्रभावित किया। क्योंकि इसने अंतर्राष्ट्रीय बाध्यकारी सीमा का रूप प्रदान किया। मध्यकालीन युग के लेखक और विधिशास्त्रियों ने प्राकृतिक विधि का अपने युग की मान्यताओं के अनुसार विकास किया

उस समय प्राकृतिक विधि को धर्म के साथ जोड़ दिया गया। ताकि अन्तर्राष्ट्रीय विधि को अधीन नहीं माना। सभी राष्ट्रों को उसका स्वीकार भी किया। साथ ही अन्तर्राष्ट्रीय विधि को एक महत्वपूर्ण विधि मानने हुए निश्चित उद्देश्य का रूप रेखा तय किया।

Scanned with CamScanner

बीसवीं शताब्दी में प्राकृतिक विधि को उचित मानते हुए अनेक विधिशास्त्री स्टैमलर, कोहलर जिन्होंने बताया कि क्योंकि हर विधि को मानने के औचित्यता होती है तथा उसका एक निश्चित उद्देश्य होता है। प्राकृतिक विधि ने अंतर्राष्ट्रीय विधि को अपने विचारों और सिद्धान्तों द्वारा अत्यधिक प्रभावित किया है। एक राष्ट्र दूसरे राष्ट्र का कड़ा कदम युद्ध क्रिया और आपत्ति सामंजस्य स्थापित किया हर राष्ट्र अपने पड़ोसी राष्ट्र को एक सुविधा के साथ ज्ञान-विज्ञान एक्सचेंज और टेक्नोलॉजी से आपसी विचार और मतभेद को दूर करने के सहायक साबित हुए। प्रतिस्पर्धावश आपसी रंजिश को प्राकृतिक विधियों ही एकता के सूत्र में बांधा गया।

Scanned with CamScanner